शौचालय से दूरी: कामकाजी महिलाओं की छिपी बाधा

प्रकाशन: 26 नवंबर 2026 | समाचार-संदर्भ: 26 नवंबर 2026

PCSMANTRA.COM

प्रिलिम्स: स्वच्छ भारत मिशन-शहरी, अनुच्छेद 21, विश्व शौचालय दिवस (19 नवंबर)
मुख्य परीक्षा: सामान्य अध्ययन-I (महिलाएँ और समाज), सामान्य अध्ययन-II (शहरी सेवाएँ, शासन)



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

26 नवंबर 2026 को छपे एक लेख में तर्क दिया गया कि सार्वजनिक शौचालयों तक असमान पहुँच लोगों की सामाजिक और आर्थिक भागीदारी को सीमित करती है। लेख 19 नवंबर के विश्व शौचालय दिवस के बहाने स्वच्छ भारत मिशन से पूछता है कि क्या मिशन ने सबके लिए स्वच्छ, सुरक्षित, चालू और गरिमापूर्ण सार्वजनिक शौचालय सुनिश्चित किए हैं। लेखकों के अनुसार संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत यह मौलिक अधिकारों का हिस्सा है। [1]

सबर इंस्टीट्यूट और आज़ाद फ़ाउंडेशन का कोलकाता सर्वेक्षण (कार्यकारी संक्षेप, 29 जून 2026) इसी मुद्दे पर है। नीचे के आँकड़े उसी संक्षेप से हैं। [2]

सर्वेक्षण क्या कहता है

सर्वेक्षण में 7,578 सिस महिलाएँ और 38 ट्रांस या क्वीयर व्यक्ति शामिल थे। महिला उत्तरदाताओं में 53% असंगठित क्षेत्र में काम करती थीं। सबसे बड़ा समूह रेहड़ी-पटरी वालों का (43%) था, फिर ख़ुदरा विक्रेता (15.7%) और घरेलू कामगार (13.8%)। [2]

- **भुगतान:** 72% महिलाएँ सार्वजनिक शौचालय के लिए पैसे देती हैं; यह ख़र्च उनकी दैनिक आय का क़रीब 10% तक हो सकता है।
- **सुरक्षा:** 53% ने शौचालय में असुरक्षित महसूस किया; 52% ट्रांस या क्वीयर उत्तरदाताओं ने उत्पीड़न बताया; 38% ने दरवाज़े की कुंडी या ताले का अभाव बताया।
- **दिव्यांग पहुँच:** 62% के अनुसार शौचालय दिव्यांग व्यक्तियों के लिए पहुँच-योग्य नहीं हैं।
- **स्वच्छता:** 30% ने शौचालयों को "गंदा" या "बहुत गंदा" बताया। हाथ धोने की व्यवस्था और सैनिटरी नैपकिन के निपटान की सुविधा की कमी दर्ज हुई। कई महिलाएँ और क्वीयर व्यक्ति शौचालय से बचने के लिए पानी कम पीते हैं।
- **काम पर असर:** 51% का मानना है कि अपर्याप्त, ग़ैर-समावेशी या ख़राब रखरखाव वाले शौचालय घर से बाहर काम करने की उनकी क्षमता और आय को सीमित करते हैं। [2]

स्टेशन	दैनिक यात्री	पुरुष	महिला	दिव्यांग
हावड़ा	9 लाख से अधिक	33	19	5
सियालदह	15 से 18 लाख	23	24	3

तालिका की संख्याएँ शौचालय इकाइयों की हैं, जैसा संक्षेप में दर्ज है। यह दिखाती है कि भीड़ के अनुपात में सुविधाएँ कितनी कम हैं, ख़ासकर सियालदह में, जहाँ रोज़ 15 से 18 लाख यात्रियों के लिए कुल 50 इकाइयाँ हैं (हमारी गणना: 23 + 24 + 3)। [2]

शौचालय एक कार्य-सुविधा है

रेहड़ी-पटरी वाले या घरेलू कामगार का कोई तय दफ़्तर नहीं होता, इसलिए उसके कामकाजी दिन का हर घंटा सड़क और बाज़ार में बीतता है। जब वहाँ सुरक्षित, मुफ़्त या सस्ता और साफ़ शौचालय नहीं होता, तो उसे काम रोकना पड़ता है, दूर जाना पड़ता है या रोज़ पैसे देने पड़ते हैं। यही कारण है कि सर्वेक्षण शौचालय को स्वास्थ्य या गरिमा के साथ-साथ **आय और गतिशीलता** का प्रश्न बनाता है। **गतिशीलता** यहाँ घर से काम तक आने-जाने की सहजता है।

यह भी पढ़ें
स्वच्छ सर्वेक्षण के दस साल: शहरी स्वच्छता में प्रतिस्पर्धा से संस्थागत बदलाव तक

PCSMANTRA.COM

निर्माण के आँकड़े बनाम उपयोग-योग्यता

PIB के अनुसार 19 नवंबर 2025 तक स्वच्छ भारत मिशन-शहरी (SBM-U) के तहत 6,38,826 सामुदायिक और सार्वजनिक शौचालय बने, जबकि लक्ष्य 5,07,587 का था। व्यक्तिगत घरेलू शौचालय 63,74,355 बने, लक्ष्य 58,99,637 का था। [3]

ये संख्याएँ निर्माण की हैं। वे यह नहीं बतातीं कि शौचालय चालू हैं, सुरक्षित हैं, कुंडी वाले हैं या महिलाओं और ट्रांस व्यक्तियों के लिए पर्याप्त हैं। SBM-U 2.0 में सामुदायिक और सार्वजनिक शौचालयों की कार्यक्षमता और रखरखाव पर अतिरिक्त ध्यान की बात कही गई है। [4]

सीमाएँ

सर्वेक्षण केवल कोलकाता का है और इसके उत्तरदाता मुख्यतः काम करने वाली महिलाएँ हैं, जिनमें रेहड़ी-पटरी वाले सबसे अधिक हैं। इसलिए यह पूरे भारत का प्रतिनिधि नमूना नहीं है। आय के 10% का आँकड़ा "हो सकता है" वाली ऊपरी स्थिति बताता है, औसत नहीं। राष्ट्रीय निष्कर्ष के लिए अन्य शहरों के साक्ष्य चाहिए।

आगे की राह

- **भीड़ के अनुपात में सुविधा:** स्टेशन, बाज़ार और बस-अड्डों पर शौचालयों की संख्या यात्रियों के अनुसार तय हो।
- **सुरक्षा:** महिला शौचालयों के बाहर महिला कर्मचारी और उचित रोशनी।
- **निगरानी:** स्वतंत्र निगरानी समिति।
- **बुनियादी सुविधाएँ:** पानी, हाथ धोने की जगह, सैनिटरी नैपकिन की वेंडिंग मशीन और निपटान।
- **समावेशन:** सिस महिलाओं तथा ट्रांस और क्वीयर व्यक्तियों के लिए पर्याप्त सुविधाएँ। संक्षेप के अनुसार स्तनपान-स्थल और डायपर बदलने की जगह आम तौर पर उपलब्ध नहीं हैं। [2]

PCSMANTRA.COM

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. सार्वजनिक शौचालयों तक असमान पहुँच महिलाओं की आर्थिक भागीदारी को किस प्रकार प्रभावित करती है? स्वच्छ भारत मिशन में "निर्माण" से "उपयोग-योग्यता" की ओर बढ़ने के उपाय सुझाइए। (250 शब्द, 15 अंक)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में:

शौचालय को स्वास्थ्य के साथ आय और गतिशीलता की सुविधा के रूप में रखें; शहरी असंगठित महिला कामगारों का उल्लेख करें।

मुख्य भाग में:

भुगतान का बोझ, असुरक्षा, पहुँच की कमी और काम में रुकावट; कोलकाता सर्वेक्षण का उदाहरण, उसकी सीमा के साथ।

निर्माण के आँकड़े (SBM-U) बनाम चालू, सुरक्षित और समावेशी सुविधा का अंतर।

उपाय: भीड़ के अनुपात में सुविधा, सुरक्षा, स्वतंत्र निगरानी, पानी और स्वच्छता, समावेशी डिज़ाइन।

निष्कर्ष में:

शौचालय की गिनती नहीं, उसका उपयोग-योग्य होना मिशन की कसौटी बने।

PCSMANTRA.COM

प्रश्न 2. शहरी असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं के लिए सार्वजनिक शौचालय "कार्यस्थल की बुनियादी सुविधा" क्यों माने जाने चाहिए? चर्चा कीजिए। (150 शब्द, 10 अंक)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में:

असंगठित कामगारों के लिए कार्यस्थल के अभाव में सार्वजनिक स्थान की भूमिका बताएँ।

मुख्य भाग में:

काम के घंटे सड़क और बाज़ार में बीतते हैं; शौचालय के अभाव में समय और आय का नुक़सान।

सुरक्षा और गरिमा का प्रश्न, अनुच्छेद 21 से जुड़ाव।

निष्कर्ष में:

सार्वजनिक सुविधा का स्तर असंगठित महिला कामगारों की भागीदारी तय करता है।

स्रोत

1. द हिंदू: सार्वजनिक शौचालयों की असमान पहुँच पर लेख, 26 नवंबर 2026 (पेवॉल के कारण केवल आंशिक रूप से पढ़ा जा सका)
2. सबर इंस्टीट्यूट और आज़ाद फ़ाउंडेशन: कार्यकारी संक्षेप, 29 जून 2026
3. PIB: SBM-U की स्थिति, 19 नवंबर 2025 तक के आँकड़े
4. PIB: SBM-U 2.0 में सामुदायिक और सार्वजनिक शौचालयों की कार्यक्षमता पर ध्यान

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

कोलकाता सर्वेक्षण में कितने लोग शामिल थे?

7,578 सिस महिलाएँ और 38 ट्रांस या क्वीयर व्यक्ति। महिला उत्तरदाताओं में 53% असंगठित क्षेत्र में काम करती थीं।

क्या यह सर्वेक्षण पूरे भारत का निष्कर्ष है?

नहीं। यह केवल कोलकाता का सर्वेक्षण है और उसका नमूना मुख्यतः काम करने वाली महिलाओं का है।

SBM-U के निर्माण-आँकड़े क्या बताते हैं?

PIB के अनुसार 19 नवंबर 2025 तक 6,38,826 सामुदायिक और सार्वजनिक शौचालय बने, जबकि लक्ष्य 5,07,587 का था। ये निर्माण की संख्या हैं, उपयोग-योग्यता की नहीं।

PCSMANTRA.COM